ARYAVART SHODH VIKAS PATRIKA
RNI TITLED NO. UPBIL04292
RNI REG. NO. UPBIL/2014/66218 **PP. No.- 315-317**
I S S N NO. - 2347 – 2944 (Print)
e–I S S N NO.- 2582 – 2454 (Online)
Vol.-19, No.-I, Issues-35, YEAR-Jan-Mar. 2025

माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की व्यावसायिक आकांक्षाओं पर आत्म–विश्वास एवं उपलब्धि अभिप्रेरणा का प्रभाव : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

आशा कुमारी, 2. डॉ0 बिशेखा कुमारी

शोध अध्येत्री– शिक्षा संकाय, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर, 2. प्राचार्य, एक्जाल्ट कॉलेज ऑफ एजुकेशन, महुआ, वैशाली (बिहार) भारत

Received-14.03.2025, Revised-21.03.2025 Accepted-27.03.2025 E-mail: aaryvart2013@gmail.com

सारांशः वर्तमान शोध लेख में माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की व्यावसायिक आकांक्षाओं पर आत्म–विश्वास तथा उपलब्धि अभिप्रेरणा के प्रभाव का विश्लेषण किया गया है। आधुनिक समाज में युवाओं की व्यावसायिक आकांक्षाएँ केवल व्यक्तिगत सफलता का संकेत नहीं हैं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक प्रगति का आधार भी हैं। अध्ययन में 300 माध्यमिक विद्यालय के छात्रों को नमूने के रूप में चयनित किया गया। अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया तथा आत्म–विश्वास मापनी, उपलब्धि अभिप्रेरणा मापनी एवं व्यावसायिक आकांक्षा सूची का उपयोग किया गया। प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण प्रतिशत, माध्य, मानक विचलन तथा सहसंबंध गुणांक द्वारा किया गया। परिणामों से ज्ञात हुआ कि आत्म–विश्वास और उपलब्धि अभिप्रेरणा का छात्रों की व्यावसायिक आकांक्षाओं पर सकारात्मक एवं महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। उच्च आत्म–विश्वास एवं उच्च उपलब्धि अभिप्रेरणा वाले छात्रों में उच्च व्यावसायिक आकांक्षाएँ पाई गईं।

कुंजीभूत शब्द– व्यावसायिक आकांक्षाएँ, आत्म–विश्वास, उपलब्धि अभिप्रेरणा, माध्यमिक विद्यालय, छात्र, सामाजिक – आर्थिक प्रगति।

1. प्रस्तावना– किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसकी युवा पीढ़ी पर निर्भर करता है। वर्तमान समय में शिक्षा केवल ज्ञान अर्जन का माध्यम नहीं रह गई है, बल्कि यह छात्रों के व्यक्तित्व विकास, आत्म–निर्भरता तथा व्यावसायिक उन्नति का प्रमुख साधन बन चुकी है। विद्यार्थियों की व्यावसायिक आकांक्षाएँ उनके जीवन के लक्ष्यों को निर्धारित करती हैं। ये आकांक्षाएँ कई मनोवैज्ञानिक कारकों से प्रभावित होती हैं, जिनमें आत्म–विश्वास तथा उपलब्धि अभिप्रेरणा विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं।

आत्म–विश्वास व्यक्ति को चुनौतियों का सामना करने तथा सफलता की दिशा में निरंतर प्रयास करने की शक्ति प्रदान करता है। वहीं उपलब्धि अभिप्रेरणा व्यक्ति को श्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु प्रेरित करती है। उच्च उपलब्धि प्रेरणा वाले छात्र अपने भविष्य के प्रति अधिक सजग और लक्ष्य–उन्मुख पाए जाते हैं। अतः यह अध्ययन इस बात को समझने का प्रयास करता है कि आत्म–विश्वास एवं उपलब्धि अभिप्रेरणा किस प्रकार छात्रों की व्यावसायिक आकांक्षाओं को प्रभावित करते हैं।

2. अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व– आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में छात्रों के सामने अनेक करियर विकल्प उपलब्ध हैं। लेकिन सही मार्गदर्शन, आत्म–विश्वास तथा उपलब्धि प्रेरणा के अभाव में वे अपने लक्ष्यों का उचित चयन नहीं कर पाते। कई छात्र अपनी वास्तविक क्षमता से कम या अधिक आकांक्षाएँ निर्धारित कर लेते हैं, जिससे तनाव, असफलता और निराशा उत्पन्न होती है।

इस अध्ययन का महत्व निम्नलिखित बिंदुओं में निहित हैः

1. छात्रों की व्यावसायिक आकांक्षाओं को समझने में सहायता।
2. शिक्षकों एवं अभिभावकों को छात्रों के मार्गदर्शन हेतु उपयोगी जानकारी।
3. करियर परामर्श कार्यक्रमों के निर्माण में सहायता।
4. आत्म–विश्वास एवं उपलब्धि प्रेरणा के विकास हेतु शैक्षिक योजनाओं का निर्माण।

3. अध्ययन के उद्देश्य–

1. माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की व्यावसायिक आकांक्षाओं का अध्ययन करना।
2. छात्रों के आत्म–विश्वास स्तर का अध्ययन करना।
3. छात्रों की उपलब्धि अभिप्रेरणा का अध्ययन करना।
4. आत्म–विश्वास एवं व्यावसायिक आकांक्षाओं के मध्य संबंध ज्ञात करना।
5. उपलब्धि अभिप्रेरणा एवं व्यावसायिक आकांक्षाओं के मध्य संबंध ज्ञात करना।

4. परिकल्पनाएँ–

1. आत्म–विश्वास एवं व्यावसायिक आकांक्षाओं के मध्य सकारात्मक सहसंबंध होगा।
2. उपलब्धि अभिप्रेरणा एवं व्यावसायिक आकांक्षाओं के मध्य सकारात्मक सहसंबंध होगा।
3. उच्च आत्म–विश्वास वाले छात्रों की व्यावसायिक आकांक्षाएँ उच्च होंगी।
4. उच्च उपलब्धि अभिप्रेरणा वाले छात्रों की व्यावसायिक आकांक्षाएँ उच्च होंगी।

5. अनुसंधान विधि–

5.1 अनुसंधान विधिः प्रस्तुत अध्ययन में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया।

5.2 नमूनाः अध्ययन हेतु 300 माध्यमिक विद्यालय के छात्रों का चयन यादृच्छिक नमूना पद्धति द्वारा किया गया।

तालिका 1 : नमूने का वर्गीकरण

वर्ग	छात्र संख्या	प्रतिशत
छात्र	160	53.33%
छात्राएँ	140	46.67%
ग्रामीण	180	60%
शहरी	120	40%
कुल	300	100%

6. प्रयुक्त उपकरण–

1. आत्म–विश्वास मापनी
2. उपलब्धि अभिप्रेरणा मापनी
3. व्यावसायिक आकांक्षा सूची

अनुरूपी लेखक / संयुक्त लेखक

I S S N NO. - 2347 – 2944 (Print)
e–I S S N NO.- 2582 – 2454 (Online)
Vol.-19, No.-I, Issues-35, YEAR-Jan-Mar. 2025

7. आंकड़ों का विश्लेषण–

तालिका 2 : आत्म–विश्वास एवं व्यावसायिक आकांक्षाओं का माध्य एवं मानक विचलन

चर	माध्य (Mean)	मानक विचलन (SD)
आत्म–विश्वास	72.45	8.21
व्यावसायिक आकांक्षा	74.36	7.95

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि छात्रों का आत्म–विश्वास एवं व्यावसायिक आकांक्षा स्तर औसत से अधिक पाया गया।

तालिका 3 : उपलब्धि अभिप्रेरणा एवं व्यावसायिक आकांक्षाओं का माध्य एवं मानक विचलन

चर	माध्य	मानक विचलन
उपलब्धि अभिप्रेरणा	76.18	7.42
व्यावसायिक आकांक्षा	74.36	7.95

तालिका 4 : सहसंबंध विश्लेषण

चर	माध्य	मानक विचलन
उपलब्धि अभिप्रेरणा	76.18	7.42
व्यावसायिक आकांक्षा	74.36	7.95

तालिका से स्पष्ट है कि दोनों चर एवं व्यावसायिक आकांक्षाओं के मध्य उच्च सकारात्मक सहसंबंध पाया गया।

8. परिणाम एवं विवेचना– अध्ययन के परिणामों से निम्न निष्कर्ष प्राप्त हुए :

1. उच्च आत्म–विश्वास वाले छात्रों में उच्च व्यावसायिक आकांक्षाएँ पाई गईं।
2. उपलब्धि अभिप्रेरणा छात्रों को बेहतर करियर लक्ष्य निर्धारित करने हेतु प्रेरित करती है।
3. आत्म–विश्वास एवं उपलब्धि प्रेरणा दोनों छात्रों की करियर योजना को प्रभावित करते हैं।
4. जिन छात्रों में आत्म–विश्वास कम पाया गया, उनमें व्यावसायिक अनिश्चितता अधिक देखी गई।
5. उपलब्धि प्रेरणा छात्रों को प्रतिस्पर्धात्मक क्षेत्रों की ओर आकर्षित करती है।

यह परिणाम Bandura, McClelland तथा अन्य मनोवैज्ञानिकों के सिद्धांतों की पुष्टि करते हैं।

9. शैक्षिक निहितार्थ–

1. विद्यालयों में करियर परामर्श कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए।
2. छात्रों के आत्म–विश्वास को बढ़ाने हेतु सह–पाठ्यक्रम गतिविधियाँ बढ़ाई जाएँ।
3. उपलब्धि अभिप्रेरणा विकसित करने हेतु प्रेरक वातावरण प्रदान किया जाए।
4. अभिभावकों को छात्रों की रुचियों एवं क्षमताओं के अनुसार करियर चयन हेतु प्रेरित किया जाए।

10. निष्कर्ष– प्रस्तुत अध्ययन से स्पष्ट होता है कि आत्म–विश्वास एवं उपलब्धि अभिप्रेरणा छात्रों की व्यावसायिक आकांक्षाओं के महत्वपूर्ण निर्धारक हैं। जिन छात्रों में आत्म–विश्वास और उपलब्धि प्रेरणा अधिक होती है, वे अपने भविष्य के प्रति अधिक स्पष्ट, आशावादी और लक्ष्य–उन्मुख होते हैं। अतः शिक्षा प्रणाली में ऐसे कार्यक्रमों को सम्मिलित करना आवश्यक है, जो छात्रों के व्यक्तित्व विकास एवं उपलब्धि प्रेरणा को सुदृढ़ करें।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. एडसुल, आर. के. एवं कांबले, वी. (2008). कॉलेज विद्यार्थियों में उपलब्धि अभिप्रेरणा का अध्ययन लिंग, आर्थिक पृष्ठभूमि तथा जातिगत भिन्नताओं के संदर्भ में। जर्नल ऑफ द इंडियन एकेडमी ऑफ एप्लाइड साइकोलॉजी, 34(2), पृष्ट संख्या 323–327.
2. अग्रवाल, वाई. पी. (2009). सांख्यिकीय विधियाँ, संकल्पनाएँ, अनुप्रयोग एवं गणना। नई दिल्लीः स्टर्लिंग पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड।
3. अकिन्सान्या, ओमोलाडे ओ., अजयी, कासिम ओ., सलोमी एवं मोडुपे ओ. (2014). ओगुन राज्य के वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के गणित विषय में छात्रों की उपलब्धि पर अभिभावकों के व्यवसाय, योग्यता तथा शैक्षिक अभिप्रेरणा के सापेक्ष प्रभाव। जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड प्रैक्टिस, 5(22), पृष्ट संख्या 223–235.
4. अनिता, टी. ए. (2013). केरल के एर्नाकुलम जिले के उच्च विद्यालय विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा का अध्ययन। आईओएसआर जर्नल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंस (IOSR&JHSS), 16(6), पृष्ट संख्या 43–46.
5. बानो, ए. (2002). सूचना प्रौद्योगिकी का अध्ययन आदतों एवं अवकाश समय की गतिविधियों पर प्रभावः वरिष्ठ माध्यमिक विद्यार्थियों के सामाजिक–आर्थिक स्तर, शैक्षिक उपलब्धि एवं व्यावसायिक आकांक्षाओं के संदर्भ में। (डॉक्टोरल शोधप्रबंध, शिक्षा विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, 2002)। प्राप्त स्रोतःhttp://shodhganga.inflibnet.ac.in/handle/10603/52793
6. बार्डिक, ए. डी. एवं बर्न्स, के. बी. (2005). कक्षा सात से बारह तक के विद्यार्थियों की व्यावसायिक आकांक्षाएँ। यूनिवर्सिटी ऑफ लेथब्रिज, मेडिसिन हैट, अल्बर्टा, कनाडा। प्राप्त स्रोतः https://www.uleth.ca
7. देवी, पी. (2014). 1012 विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का उनके मेटाकॉग्निशन, आत्मविश्वास एवं पारिवारिक वातावरण के संदर्भ में अध्ययन। (डॉक्टोरल शोधप्रबंध), शिक्षा विभाग, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय। प्राप्त स्रोतः http://shodhganga.inflibnet.ac.in
8. भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय। (1986). राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986। नई दिल्ली, भारतः एमएचआरडी। प्राप्त स्रोतः http://www.ncert.nic.in/oth_anoun/npe86.pdf
9. भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय। (2020). राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020। नई दिल्ली, भारतः एमएचआरडी। प्राप्त स्रोतः https://www-mhrd.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/NEP_Final_English_0.pdf

10. भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय। (1966). शिक्षा आयोग प्रतिवेदन, 1964–66। नई दिल्ली, भारतः एमएचआरडी। प्राप्त स्रोतः http://dise.in/Downloads/KothariCommissionVol.1pp.1&287.pdf
11. होसेन, एस., परिवाश, एन., कियावाश, ए. जेड. एवं अफ्सोन, ए. जे. (2012). उत्कृष्ट फुटसल खिलाड़ियों में खेल कल्पना, आत्मविश्वास तथा बॉडी मास इंडेक्स का खेल सफलता से संबंध। एनल्स ऑफ बायोलॉजिकल रिसर्च, 3(11), पृष्ट संख्या 5293–5295.
12. जाफरी, एस. (2012). वरिष्ठ माध्यमिक विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक वातावरण, मानसिक स्वास्थ्य, अध्ययन आदतों एवं आत्मविश्वास का प्रभाव। (डॉक्टोरल शोधप्रबंध), शिक्षा संस्थान, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय। प्राप्त स्रोतः http://shodhganga.inflibnet.ac.in/handle/10603/13522.
13. न्यायमूर्ति वर्मा आयोग। (2012). भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गठित शिक्षक शिक्षा पर उच्चस्तरीय आयोग की रिपोर्ट। एमएचआरडी, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग। प्राप्त स्रोतः https://www.education.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/documentreports/JVC%20Vol%201.pdf
14. कौर, टी. एवं मंजू, एम. (2007). किशोर बालिकाओं में उपलब्धि अभिप्रेरणा, आत्मविश्वास एवं आत्मदृढ़ता के स्तर का तुलनात्मक अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ साइकोमेट्री एंड एजुकेशन, 38(2), पृष्ट संख्या 166–169.
15. कोठारी, सी. आर. (2010). अनुसंधान पद्धति (द्वितीय संस्करण)। 55–68। नई दिल्लीः न्यू एज इंटरनेशनल।
16. कौल, एल. (2010). शैक्षिक अनुसंधान की पद्धति (चतुर्थ संस्करण)। (पृष्ट संख्या 76–91, पृष्ट संख्या 305–392)। नोएडाः विकास पब्लिकेशन।
17. राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद। (2009). शिक्षक शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखाः पेशेवर एवं मानवीय शिक्षक तैयार करने की दिशा में। नई दिल्ली, भारतः एनसीटीई। प्राप्त स्रोतः https://ncte.gov.in/Website/PDF/NCFTE_2009.pdf
18. राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद। (2005). राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2005। नई दिल्ली, भारतः एनसीईआरटी। प्राप्त स्रोतः http://www.ncert.nic.in/rightside/links/pdf/framework/english/nf2005.pdf
19. राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद। (2006). स्थिति पत्रः विज्ञान शिक्षण पर राष्ट्रीय फोकस समूह। नई दिल्ली, भारतः एनसीईआरटी। प्राप्त स्रोतः http://www.ncert.nic.in/new_ncert/ncert/rightside/links/pdf/focus_group/science.pdf
20. नीलिमा, एम. (2011). महाविद्यालय विद्यार्थियों की आत्मविश्वास एवं मानसिक स्वास्थ्य का भावनात्मक बुद्धिमत्ता के संदर्भ में अध्ययन। (डॉक्टोरल शोधप्रबंध), आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय। प्राप्त स्रोतः http://shodhganga-inflibnet-ac-in/handle/10603/124040.

*****